अमर उजाला

भाषा विश्वविद्यालय से मदरसे ले सकेंगे कामिल और फाजिल पाठ्यक्रमों के लिए मान्यता

शासन स्तर पर हो रहा विचार

लखनऊ। मदरसे भविष्य में कामिल और फाजिल पाठ्यक्रमों के लिए मान्यता ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय से ले सकेंगे। इसके लिए शासन स्तर पर विचार हो रहा है। लेकिन, इन पाठ्यक्रमों की मान्यता लेने वाले मदरसों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के उच्च शिक्षा के मानक पूरे करने होंगे।

उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद अधिनियम-2004 और संबंधित नियमावली में संशोधन किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में अपने फैसले में कहा है कि बारहवीं कक्षा से आगे कामिल और फाजिल का प्रमाणपत्र देने वाले मदरसों को मान्यता नहीं दी जा सकती। क्योंकि, उच्च शिक्षा यूजीसी अधिनियम के तहत संचालित होती है, इसलिए यूपी मदरसा अधिनियम और संबंधित नियमावली से कामिल और फाजिल पाठ्यक्रमों के संबंध में किए गए प्रावधान हटाए जाएंगे।

शासन के सूत्रों के मुताबिक, कामिल और फाजिल पाठ्यक्रमों को लेकर मंथन चल रहा है। इन पाठ्यक्रमों के संचालन की मान्यता उच्च शिक्षा विभाग ही दे सकता है। इसलिए इन पाठ्यक्रमों को भाषा विवि से जोड़ने पर विचार हो रहा है। ब्यूरो

डॉ. दोआ नकवी को मिली नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी

लखनऊ। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग, उ0प्र0 शासन, लखनऊ द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुपालन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अन्तर्गत Academic Collaboration से सम्बन्धित कार्यों के निर्वहन हेतु डॉ0 दोआ नकवी, सहायक आचार्य को अग्रिम आदेशों तक के लिए एकेडमिक कोलैबोरेशन का नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

भाषा विश्वविद्यालय में हुआ इण्डिया वीक समारोह का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में माननीय कुलपति महोदय प्रो0 नरेन्द्र बहादुर सिंह के कुशल मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय परिसर में फिट इण्डिया मूवमेंट के अंतर्गत फिट इण्डिया वीक समारोह, 2024 का आयोजन दिनांक 06-13 दिसंबर, 2024 तक किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत क्रीड़ा परिषद द्वारा दिनांक 09 दिसंबर, 2024 को स्वदेशी खेल- दंड बैठक (महिला वं पुरुष) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दंड बैठक प्रतियोगिता पुरुष वर्ग मे 13 एवं महिला वर्ग मे 04 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग मे प्रथम स्थान रमाकांत गुप्ता ने, द्वितीय स्थान अक्षत बाजपई ने एवं तृतीय मुदित शुक्ला ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता के महिला वर्ग मे अनमता बानो प्रथम, द्वितीय प्रियांशी यादव एवं बरीरा युमन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। फिट इण्डिया वीक समारोह, 2024 के अंतर्गत दिनांक 10 दिसंबर, 2024 को भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा विकसित फिट इण्डिया एप विद्यार्थियों द्वारा डाउनलोड किया गया। मो0 शारिक सदस्य सचिव-क्रीड़ा परिषद द्वारा फिट इण्डिया एप के संबंध मे विद्यार्थियों को जानकारी दी गयी जिसके माध्यम से विद्यार्थी एप कि सहायता से अपनी फिटनेस, स्वास्थ्य एवं जीवन की गुणवत्ता मे सुधार कर अपना दैनिक जीवन खुशहाल कर सकते है। दिनांक 09 दिसंबर, 2024 को आयोजित प्रतियोगिता का निर्णायन एवं दिनांक 10 दिसंबर, 2024 को फिट इण्डिया एप को डाउनलोड करने की प्रक्रिया डॉ0 हसन मेहदी, सहायक आचार्य (अस्थाई) शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा कराई गयी। सभी विद्यार्थियों को प्रो0 चंदना डे, अधिष्ठाता-छात्र कल्याण एवं डॉ नीरज शुक्ल, उपाध्यक्ष क्रीड़ा परिषद द्वारा फिट इण्डिया एप हेतु प्रेरित कर स्वस्थ जीवन यापन हेतु शुभकामनाएं दी गयी। फिट इण्डिया वीक समारोह, 2024 के अंतर्गत कल दिनांक 11 दिसंबर, 2024 को योग एवं ध्यान विषय पर एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर डॉ0 नलिनी मिश्रा, डॉ0 पूनम, इत्यादि शिक्षक उपस्थित रहे।

हिन्दुस्तान

लखनऊ, गुरुवार, 12 दिसंबर 2024 06

भाषा विवि के स्वयं चैप्टर को मान्यता

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय में स्वयं-एनपीटीईएल लोकल चैप्टर की स्थापना की गई। जिसकी स्वीकृति शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा कर दी गई है। यह स्वयं एनपीटीईएल पाठ्यक्रम और प्रमाणन परीक्षा में शामिल होने की प्रक्रिया को और आसान करेगा। जिससे विद्यार्थियों को आईआईटी, आईआईएम या एनआईटी जैसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों से प्रमाण पत्र प्राप्त कर क्रेडिट अर्जित करने का अवसर प्राप्त होगा।

भाषा विश्वविद्यालय की प्रवक्ता और स्वयं की संयोजक डॉ. रुचिता सुजय चौधरी ने बताया कि भारत सरकार के द्वारा संचालित स्वयं - एनपीटीईएल के लोकल चैप्टर की स्थापना भाषा विश्वविद्यालय में कर दी गई है।

भाषा विवि के विद्यार्थियों को मिला यूथ इम्पैक्ट चैलेंज में सांत्वना पुरस्कार

तिजारत संवाददाता

लखनऊ। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के वाणिज्य विभाग के छात्रों ने यूनिसेफ यूपी कार्यालय के यूथ इम्पैक्ट चैलेंज 2.0 सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया छात्रों में नमरा रफ़त (बी कॉम तृतीय वर्ष) और उनकी टीम, जिसमें दिपांशु गुप्ता, ईशा, सफीया महताब, मेहविश और उम्मे सलमा शामिल है यूनिसेफ के चाबी-यान द्वारा आयोजित यूथ इम्पैक्ट चैलेंज 2.0 और यूनिसेफ के सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता ने भारत में यूनिसेफ के 75 वर्ष और बाल अधिकारों के लिए कन्वेंशन के 35 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया। यूथ इम्पैक्ट चैलेंज 2.0 एक ऐसी पहल है जिसका उद्देश्य युवाओं को बच्चों के जीवन में बदलाव लाने के लिए कार्रवाई करने और अंतर बनाने के लिए सशक्त बनाना है। इस चैलेंज में नमरा और उनकी टीम को उनके उत्कृष्ट एक्शन प्रोजेक्ट के लिए मान्यता दी गई, जिससे उन्हें सांत्वना पुरस्कार मिला। बच्चों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव बनाने के उनके प्रयासों की प्रशंसा में, यूनिसेफ यूपी कार्यालय उन्हें पुरस्कार राशि प्रदान करेगा और उन्हें इंटर्नशिप का अवसर प्रदान करेगा। इन अवसर पर भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरेन्द्र बहादुर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार अपने छात्रों की उपलब्धि पर गर्व करता है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है। नमरा रफ़त व उनकी टीम के इस कीर्तिमान पर वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एहतेशाम अहमद, कुलानुशसक डॉ नीरज शुक्ला, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. ज़ैबुन निसा, सुश्री आफरीन फातिमा तथा विभाग के सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों ने शुभकामनाएं दीं।

Camp

न्यूज डायरी

छात्रों को दी कॅरिअर अवसरों की जानकारी

स्रोत : स्वयं

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में विशेष व्याख्यान हुआ। मुख्य अतिथि जेएनयू के प्रो. अरविंद कुमार ने छात्रों से वाणिज्य, प्रबंध और अन्य विषयों से संबंधित विभिन्न कॅरिअर अवसरों व व्यक्तित्व विकास पर चर्चा की। उन्होंने छात्रों को रोजगारपरक क्षेत्रों की जानकारी दी। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. नीरज शुक्ला रहे। साथ ही विवि में सरदार वल्लभ भाई पटेल की 148वीं जयंती के उपलक्ष्य में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। अंत में विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। (संवाद)

प्रो. एहतेशाम को बनाया समन्वयक

लखनऊ। भाषा विवि के वाणिज्य के विभाग के अध्यक्ष प्रो. एहतेशाम अहमद को स्नातक चार वर्ष कोर्स का नोडल अधिकारी बनाया गया है। वह नई शिक्षा नीति के तहत पहली बार शुरू होने वाले इस स्नातक कार्यक्रम के संबंध में कार्यों का निर्वहन करेंगे। कुलसचिव महेश कुमार ने पत्र जारी कर इसकी जानकारी दी। (संवाद)

वार्षिकोत्सव में मेधावियों का सम्मान

लखनऊ। तुलसीदास मार्ग पर स्थित 105 वर्ष पुराने यशोदा रस्तोगी गर्ल्स इंटर कॉलेज में शनिवार को वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इसमें विद्यालय की 100 से अधिक छात्राओं को ... रहीं निदा बानो और

शमा मौजूद रहे। (संवाद)

डॉ. आमना का फेलोशिप के लिए चयन

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि में डॉ. आमना रिजवी का चयन पोस्ट डॉक्टरल फेलोशिप (पीडीएफ) में हुआ है। यह फेलोशिप भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) की ओर से प्रायोजित है। प्रवक्ता डॉ. रुचिता चौधरी ने बताया कि आमना विवि की पहली छात्रा होंगी, जिन्होंने पीडीएफ कोर्स में दाखिला लिया है। वह प्रबंधन विभाग के प्रो. हैदर अली के निर्देशन में शोध कार्य पूरा करेंगी। उनका शोध हरित वित्त प्रौद्योगिकी विषय पर रहेगा। इस प्रस्ताव का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के स्मार्ट शहरों में उपभोक्ताओं के बीच हरित वित्तीय व्यवहार को बढ़ावा देने में हरित वित्त प्रौद्योगिकी की भूमिका का अन्वेषण करना है। कुलपति प्रो. एनबी सिंह ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। (संवाद)

भाषा विवि में मनाया राष्ट्रीय एकता दिवस

तिजारत संवाददाता

लखनऊ। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 148वी जयंती एवं ,''राष्ट्रीय एकता दिवस'' के अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. एन. बी. सिंह के संरक्षण में विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं की संयोजिका डॉ. नलिनी मिश्रा, अध्यक्षा, सांस्कृतिक समिति रही। कार्यक्रमों के आयोजन में प्रो.चंदना डे ,अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ. बुशरा अलवेरा एएनओ एनसीसी तथा डॉ. मो. शारिक इंचार्ज रोवर्स रेंजर्स का विशेष सहयोग रहा। विश्वविद्यालय स्तर पर भाषण प्रतियोगिता, एक पत्रीय नाट्य प्रतियोगिता, कविता लेखन, निबंध लेखन तथा देशभक्ति गीत (एकल)प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभागिता की तथा विजेता बनकर स्थान प्राप्त किया। माननीय कुलपति ने सभी को एकजुट रहकर देश के विकास में सहयोग देने का संदेश दिया। डॉ. नलिनी मिश्रा अध्यक्षा, सांस्कृतिक समिति ने विजेताओं को बधाई देते हुए प्रतियोगिताओं के अगले चक्र में भागीदारी की शुभकामनाएं दी।

भाषा विवि की पूर्वा गौर का 6.40 लाख के पैकेज पर चयन

प्लेनेट स्पार्क कंपनी ने किया चयन

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा पूर्वा गौर का कंपनी प्लेनेट स्पार्क में चयन हुआ है। उन्हें सालाना 6.40 लाख रुपये का पैकेज मिलेगा। प्रवक्ता डॉ. रुचिता चौधरी ने बताया कि ऑनलाइन प्लेसमेंट प्रक्रिया छह राउंड तक चली।

विवि में इस वर्ष का यह सर्वाधिक भुगतान वाला पैकेज है। उन्होंने बताया प्लेनेट स्पार्क कंपनी वर्तमान में अग्रणी एडटेक कंपनियों में शुमार है। यह प्रभावी संचार कौशल और लीडरशिप क्वालिटी विकसित करने में मदद करती है। पूर्वा ने सफलता का श्रेय विवि और परिवार को दिया है। कुलपति प्रो. एनबी सिंह ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

पूर्वा गौर। स्रोत : स्वयं

प्राक्टर बनाया गया। साथ ही इंवायरमेंटल माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग के डॉ. वीएस बघेल को एडिशनल प्राक्टर तैनात किया गया है।

भाषा विवि की पूर्वा गौर को प्लानेट स्पार्क में मिला प्लेसमेंट

लखनऊ। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसई) एआई एंड डीएस विभाग की फाइनल ईयर की छात्रा पूर्वा गौर ने विश्वविद्यालय का नाम रोशन करते हुए प्रतिष्ठित कंपनी प्लानेट स्पार्क में 6.40 लाख रुपये वार्षिक के कुल पैकेज (सीटीसी) पर प्लेसमेंट प्राप्त की है। पूर्वा गौर शुरू से ही एक नियमित और होनहार छात्रा रही हैं। इस ऑनलाइन प्लेसमेंट प्रक्रिया में कुल छह राउंड हुए, जिनमें तकनीकी कौशल, समस्या समाधान क्षमता और संचार कौशल का मूल्यांकन किया गया। प्लानेट स्पार्क एक अग्रणी एडटेक कंपनी, छात्रों को प्रभावी संचार कौशल और लीडरशिप क्वालिटी विकसित करने में मदद करती है। अपनी इस सफलता का श्रेय पूर्वा गौर ने अपने विभाग के समस्त शिक्षकों और विभागीय मार्गदर्शकों को दिया है।

भाषा विवि में उर्दू विभाग की बज़्में अदब ने जमाए साहित्य के रंग

लखनऊ, लोकसत्य। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग की साहित्यिक संस्था 'बज़्में अदब' द्वारा उर्दू में टिप्पणी लेखन की परंपरा विषय पर एक कार्यक्रम हुआ। जिसमें टिप्पणी लेखन विषय पर सार्थक और अहम चर्चा हुई। जिससे इस विषय के महत्वपूर्ण पहलुओं और आयामों का ज्ञान हुआ और नये बिंदुओं से अवगत कराया गया। टिप्पणी किसी पुस्तक या कलाकृति की प्रकाशित समीक्षा का नाम है। टिप्पणी आमतौर पर किसी नई पुस्तक या हालिया कलाकृति पर की जाती है और टिप्पणी करते समय उसके गुण-दोषों का संक्षेप में निष्पक्षता से मूल्यांकन किया जाता है। वास्तव में, एक टिप्पणीकार को एक साहित्यिक और अकादमिक मार्गदर्शक का दर्जा प्राप्त होता है जो सामान्य पाठकों और उनके हितों को उत्तेजित करता है।

कार्यक्रम

- **बज़्में अदब की वाल मैगज़ीन का लोकार्पण प्रो फखरे आलम के हाथों संपन्न हुआ**
- **टिप्पणी किसी पुस्तक या कलाकृति की प्रकाशित समीक्षा का नाम है:प्रो.फ़खरे आलम**

उन्होंने अपने संबोधन में यह भी कहा कि एक टिप्पणीकार के लिए तटस्थ रहना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसकी राय पाठकों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, उसे टिप्पणी में किसी भी तरह का पूर्वाग्रह नहीं रखना चाहिए क्योंकि यह बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है टिप्पणीकारों के लिए अपनी पसंद-नापसंद के दायरे से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है, इसलिए वे कभी-कभी टिप्पणीकार की भी अच्छी टिप्पणी नहीं लिख पाते टिप्पणी इतनी पक्षपातपूर्ण हो जाती है कि टिप्पणीकार पर ही टिप्पणी होने लगती है। इस साहित्यिक कार्यक्रम के दूसरे वक्ता डॉ. जफरुन नक़ी ने टिप्पणी की परंपरा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शुरुआती दौर में उर्दू में टिप्पणी की कोई परंपरा नहीं थी।

Lucknow 06-12-2024

http://epaper.loksatya.com/

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक लोकसत्य

भाषा वि.वि. में 'बज़्में अदब' के तहत साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन

■ टिप्पणी किसी पुस्तक या कलाकृति की प्रकाशित समीक्षा का नाम है : प्रो. फ़खरे आलम

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। ख्वाजा मोईनुद् दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग की साहित्यिक संस्था बज्मे अदब की ओर से उर्दू में टिप्पणी लेखन विषय पर गुरुवार को कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में टिप्पणी लेखन पर सार्थक और अहम चर्चा हुई, जिससे विषय के महत्वपूर्ण पहलुओं और आयामों के ज्ञान के साथ ही नये बिन्दुओं की जानकारी मिली। कार्यक्रम में बज्मे अदब की मैगजीन का लोकार्पण प्रो. फखरे आलम ने किया। टिप्पणी किसी पुस्तक या कलाकृति की प्रकाशित समीक्षा का नाम है। टिप्पणी आम तौर पर नई पुस्तक या हालिया कलाकृति पर की जाती है और टिप्पणी करते समय उसके गुण-दोषों का संक्षेप में निष्पक्षता से मूल्यांकन किया जाता है। एक टिप्पणीकार को साहित्यकार और अकादमिक मार्गदर्शक का दर्जा प्राप्त होता है, जो सामान्य पाठकों और उनके हितों को रेखांकित करता है। डॉ. जफरुन नकी ने कहा कि उर्दू टिप्पणी की कोई परम्परा नहीं थी। अंग्रेजी भाष और साहित्य के जरिए वे इससे परिचित हुए। उर्दू में सर सैय्यद और उनके दोस्तों ने न केवल विभिन्न पुस्तकों और पत्रिकाओं पर टिप्पणियां लिखीं बल्कि समीक्षा लेखन और टिप्पणी लेखन के नियमों और विनियमों पर चर्चा भी की। कार्यक्रम में शोधार्थी मुईनुद् दीन ने मोहम्मद हुसैन आजाद की पुस्तक आबे हयात, शोधार्थी मोहम्मद नसीम ने डॉ. अख्तर बस्तवी की किताब भारतीय साहित्य के वास्तुकार काजी मोहम्मद अदील अब्बासी और शोधार्थी रशीदा खातून ने प्रो. इब् न कंवल के लिखे मोनोग्राफ दाग देहलवी पर टिप्पणी लेखन पेश किया। कार्यक्रम का संचालन एम.ए. के छात्र अब्दुल कादिन और धन्यवाद अब्दुल्लाह ने किया। इस मौके पर शोधार्थियों और छात्रों के साथ उर्दू विभाग के प्रो. फखरे आलम, डॉ. मुर्तजा अतहर, डॉ. अकमल शादाब, डॉ. आजम अंसारी, डॉ. मूसी रजा, डॉ. सिद्धार्थ सुदीप आदि शामिल थे।

भाषा विवि में हुआ गेस्ट व्याख्यान का सफल आयोजन

एनडीएस संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एन.बी. सिंह के प्रेरणादायक विजन और मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा एक शानदार गेस्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। छात्रों के शैक्षणिक विकास और तकनीकी ज्ञान को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम ने विश्वविद्यालय के नवाचार और शोध संस्कृति को और समृद्ध किया। इस व्याख्यान में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ डॉ. उपेंद्र कुमार उपाध्याय ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। उन्होंने छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), मशीन लर्निंग (ML) और न्यूरल नेटवर्क्स (NN) जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक जानकारी दी। डॉ. उपाध्याय ने इन विषयों की शुरुआत मूलभूत ज्ञान से करते हुए छात्रों को उन्नत स्तर तक गहराई से समझाया। इस व्याख्यान के दौरान छात्रों को इन प्रौद्योगिकियों के व्यावहारिक अनुप्रयोगों और भविष्य की संभावनाओं पर मार्गदर्शन भी मिला। कार्यक्रम में लगभग 100 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और उन्होंने पूरी लगन और उत्साह के साथ इस तकनीकी चर्चा में भागीदारी की। व्याख्यान को सफल बनाने में इं. सायमा अलीम, इं. तसलीम जमाल, अमन मिश्रा और अप्रतिम चटर्जी ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई. डॉ.शान-ए-फातिमा ने इस कार्यक्रम का कुशल संचालन किया और छात्रों को तकनीकी ज्ञान के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने उत्सुकता से सवाल पूछे और विशेषज्ञ से बहुमूल्य जानकारी प्राप्त की। यह व्याख्यान विश्वविद्यालय के छात्रों को आधुनिक तकनीकी ज्ञान और नवीनतम शोध प्रवृत्तियों से जोड़ने का एक अद्भुत अवसर प्रदान करता है। कुलपति प्रो. एन.बी. सिंह के नेतृत्व में ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लगातार ऐसे शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन कर छात्रों को प्रतिस्पर्धात्मक और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहा है. यह कार्यक्रम न केवल छात्रों के शैक्षणिक अनुभव को समृद्ध करने में सहायक रहा, बल्कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर जोड़ गया।

भाषा विवि में हुआ फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन

एनडीएस संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में में बी. कॉम द्वितीय व तृतीय वर्ष छात्रों ने फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया। जिसमें बी. कॉम प्रथम वर्ष के छात्रों ने बढ़-चढ कर भाग लिया। साथ ही मिस्टर व मिस फ्रेशर प्रतियोगी का अयोजन तीन चरणों में किया गया। प्रतियोगिता के प्रथम चरण में रैम्प वॉक और परिचय, द्वितीय में अपना कौशल प्रदर्शन तथा तृतीय चरण में कुछ सामाजिक, राजनीति प्रश्न निर्णायकों द्वारा पूछे गये। जिनके उत्तर छात्र एवम छात्राओं ने बहुत ही सटीक दिये। निर्णायक मंडल में डा. मनीष कुमार, डॉ. मरिया बिंथ सिराज, व शिवम् चतुर्वेदी उपस्थित रहें। वहीं,मिस फ्रेशर्स अदिति, और रनरअप सारा फरीदी। मिस्टर फ्रेशर्स जश्नदीप सिंह और रनरअप मो सैफ रहे। इस मौके पर प्रो. एहतेशाम अहमद (संकाय अध्यक्ष), में छात्रों को अपने आशीष वचन में कहा कि निरंतर अभ्यास व बुक रीडिंग जैसी आदतों को अपना कर अपने लक्ष्य के प्रति अग्रसर होना चाहिए। फ्रेशर्स पार्टी के अवसर पर विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. नीरज शुक्ला ने सभी छात्र छात्राओं को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विभाग की आफ़रीन फातिमा (सहा. आचार्य), डॉ. अनुभव तिवारी, जुहैर ज़ैदी (यस. आर. एफ.) व कर्मचारीगण मौजूद रहे।

भाषा वि.वि. में भारतीय भाषा के उत्सव पर व्याख्यान

■ भाषा धार्मिक और क्षेत्रीय सीमाओं को तोड़ती है और लोगों को जोड़ती है : प्रोफेसर सूरज बहादुर थापा

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। ख्वाजा मोइनुद्दीन भाषा विश्वविद्यालय के अटल हॉल में कुलपति प्रोफेसर एनबी सिंह की देखरेख में भारतीय भाषाओं के उत्सव के अवसर पर एक सेमिनार का आयोजित किया गया, जिसमें उन्होंने अपने विचारों को भारतीय भाषाः विविधता में एकता के विषय पर संबोधन में कहा कि भाषाएं धार्मिक और क्षेत्रीय सीमाओं को तोड़ती हैं और लोगों को जोड़ती हैं, क्योंकि भाषाएं विभाजन को पाटने का काम करती हैं और भाषाएँ एक नए वैश्विक समाज के निर्माण में अहम भूमिका निभाती है उन्होंने भारतीय भाषाओं के संदर्भ में बोलते हुए कहा कि भारत भाषाओं का देश है और हर भाषा की अपनी सभ्यता और संस्कृति है, लेकिन यह सभी भाषाएँ सभ्यताओं के टकराव के बजाय, वे भारत को एकता का दर्पण बनाते हैं, जिसमें भारत का सुंदर चेहरा देखा जा सकता है, भारत की किसी भी भाषा की कविता और साहित्य का अध्ययन करें, यह लोगों, मजदूरों की समस्याओं से संबंधित है पुरुष आधारित समाज में नारी की चिंता और यही मानवता सभी सद्गुणों का आधार है यह भाषाओं को जोड़ता है।

इसी संदर्भ में उन्होंने भारतीय जनजातियों की भाषाओं का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी भाषाओं के काव्य और साहित्य में उनकी सभ्यता की अद्भुत व्याख्या मिलती है, जो आज हमारे साहित्यिक विमर्श से बाहर है। वनों की कटाई और खनिज संसाधन के सम्बन्धमें जिस तरह से यहां लिखा जा रहा है, वह भारत की किसी भी क्षेत्रीय भाषा में नहीं लिखा जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय भाषाओं का जश्न मनाते समय किसी एक भाषा के प्रभुत्व की बात नहीं करनी चाहिए भारत में सभी भाषाओँ को समान अधिकार मिलना चाहिए संख्या के आधार पर किसी भी भाषा का वर्चस्व वास्तव में भारत की एकता में बहुलता की विचारधारा को नुकसान पहुंचाने के समान है।

इस अवसर पर अध्यक्षीय भाषण देते हुए प्रो. फखरे आलम ने कहा कि भारत अपने विशाल भौगोलिक क्षेत्र में असंख्य भाषाओं के सह-अस्तित्व के माध्यम से विविधता में एकता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है।

भाषा विश्वविद्यालय में विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं आरंभ

तिजारत संवाददाता

लखनऊ। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के सत्र 2024-25 के सम सेमेस्टर की परीक्षाएं प्रारंभ हो गई हैं। विदित है कि ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के सत्र 2024-25 के सम सेमेस्टर की परीक्षाएं 16 दिसम्बर से प्रारंभ हो गई हैं सम सेमेस्टर की परीक्षाओं के लिए केन्द्र अध्यक्ष प्रो. एहतेशाम अहमद को बनाया गया है। वहीं सहायक केन्द्र अध्यक्ष में डॉ. राजेंद्र कुमार त्रिपाठी, डॉ. आज़म अंसारी और डॉ. श्वेता अग्रवाल को बनाया गया है। परीक्षा के पहले दिन दोनों पालियों में कुल 1737 विद्यार्थियों ने परीक्षाओं में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई तो वहीं 40 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के पहले दिन निरीक्षण के दौरान माननीय कुलपति प्रो. नरेन्द्र बहादुर सिंह ने केन्द्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं के साथ परीक्षाओ के सफल संचालन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए विवि प्रशासन के द्वारा उड़ाका दल को भी नियुक्ति किया गया है जिसमें डॉ. नीरज शुक्ल, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. उधम सिंह, डॉ. नलिनी मिश्रा, डॉ. बुशरा अलवेरा आदि ने परीक्षा के सफल संचालन में महती भूमिका निभाई।देविका देवेंद्र मंगलामुखी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, उत्तर प्रदेश

ट्रांसजेंडर बोर्ड ने किया औपचारिक भ्रमण

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में आज उत्तर प्रदेश ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड के सदस्य सलाहकार, देविका एस 0 देवेंद्र मंगलामुखी द्वारा औपचारिक भ्रमण किया गया ।इस दौरे का उद्देश्य ट्रांसजेंडर समुदाय की शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करना और जागरूकता बढ़ाने के लिए संवेदनशीलता कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करना था। बैठक में विश्वविद्यालय के कुलपति, अधिकारीगण और शिक्षकों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, और सामाजिक अधिकारों पर गहन चर्चा की गई । अंत में विश्वविद्यालय की तरफ़ से देविका जी को स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनके आगमन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई ।

मासिक धर्म की पहली शिक्षिका है 'मां'

एनडीएस संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के पत्रकरिता विभाग की शोधार्थी नीतिका अंबस्ता को डॉक्टर रुचिता सुजय चौधरी के मार्गदर्शन में उनके शोध विषय ग्रामीण किशोरियों के बीच मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मध्यस्थ संचार की समझ पर शोध डिग्री अवार्ड की गई नीतिका अम्बष्ट ने अपने थीसिस में मासिक धर्म जैसे उपेक्षित किन्तु अनिवार्य विषय का अध्ययन किया और अपने व्यापक शोध और विश्लेषण के माध्यम से कई अहम तथ्यों को सामने लाया कुल मिलाकर यह अध्ययन ग्रामीण किशोर लड़कियों के बीच मासिक धर्म के बारे में जागरूकता पैदा करने में मध्यस्थ संचार की भूमिका को समझने में मदद करता है यह अध्ययन मासिक धर्म से संबंधित प्रचलित मिथकों को दर्शाता है जैसे मासिक धर्म के दौरान पूजा करने की अनुमति नहीं होना, अचार छूने की अनुमति नहीं होना आदि यह शोध बताता है कि मास मीडिया में टेलीविजन विज्ञापन ग्रामीण किशोरियों के बीच मासिक धर्म से संबंधित जानकारी का सबसे बड़ा स्रोत है, इसके बाद समाचार पत्र और इंटरनेट है इस अध्ययन में मासिक धर्म के बारे में जागरूकता पैदा करने में रेडियो की भूमिका लगभग नगण्य बताई गई जबकि रेडियो ग्रामीण किशोरियों तथा किशोरियों की माताओं तक में मासिक धर्म से संबंधित स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में जानकारी प्रसारित करने का एक बहुत ही प्रभावी माध्यम हो सकता है ज्यादातर लड़कियां फिल्म पैडमैन देख चुकी है और फिल्म की कहानी से काफी संतुष्ट है फिर भी मासिक धर्म पर चर्चा करने से मनाही है खासकर परिवार के पुरुष सदस्यों की उपस्थिति में अधिकांश लड़कियां मासिक धर्म से संबंधित कोई भी चीज देखने में शर्म महसूस करती हैं व्यक्तिगत रूप से मां मासिक धर्म से संबंधित जानकारी का प्राथमिक स्रोत है लड़कियों के एक बड़े हिस्से 46. 75 प्रतिशत के पास मीडिया से जानकारी का कोई स्रोत नहीं है केवल 42. 5 प्रतिशत लड़कियां ही मासिक धर्म के बारे में जागरूक करने में मीडिया की भूमिका से संतुष्ट है और 68. 25 प्रतिशत लड़कियां सूचना के स्रोत के रूप में व्यक्ति विशेष रूप से मां बहन और दोस्त की भूमिका से खुश हैं।

Nitika Ambastha

डॉ रुचिता सुजय चौधरी, शोध पर्यवेक्षक